

‘काल’ बनकर दौड़ा डंपर, सड़क पर कोहराम

मृतकों-घायलों के लिए बिलखते रहे परिजन; सड़क पर बिखरा वाहनों का कबाड़, ट्रैफिक जाम लगा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। हरमाड़ा क्षेत्र में “काल” बनकर दौड़े तेज रफ्तार डंपर ने 14 लोगों की सांसे थाम दी। नशे में धुत चालक एक के बाद एक राहगीरों और वाहनों को रौंदा हुआ आगे बढ़ा तो सड़क पर कोहराम मच गया। इस भयावह हादसे ने पूरे प्रदेश के रांगे खड़े कर दिए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों और मृतकों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अस्पताल पहुंचाया। उधर राहगीरों को रौंदने वाले डंपर ड्राइवर को भीड़ ने पकड़कर जमकर धुनाई के बाद पुलिस को सौंपा है। हादसे के बाद मौके पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया, पुलिस ने सड़क से वाहनों को कबाड़ हटाकर आम रास्ता खुलवाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर चालक नशे की हालत में था। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, क्योंकि वह खुद गंभीर रूप से जख्मी है। पुलिस उसका मेडिकल मुआयना करवाएगी, उसके बाद ही वास्तविकता सामने आएगी। इस हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं वो दिल को दहला देने वाले हैं। इसमें डंपर, तूफानी गति से राहगीरों और बाइक-कार सवारों को रौंदा हुआ दिख रहा है।

हादसे के बाद लोहा मंडी और विवकर्मा इलाके में लंबा जाम लग गया। ऐसे में पुलिस को ट्रैफिक को दूसरे मार्ग की ओर मोड़ना पड़ा। पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से डंपर और अन्य क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर ट्रैफिक सुचारू कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद का मंजर काफी भयानक था। सड़क पर क्षतिग्रस्त वाहन और क्षत-विक्षत शव बिखरे पड़े थे। हर कोई सोचकर ही सिहर उठा।



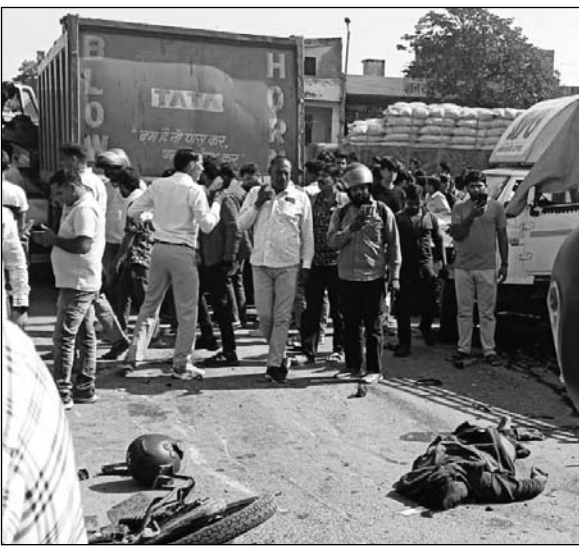
हरमाड़ा के लोहामंडी कट पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से सड़क पर क्षत-विक्षत शव बिखर गए। मौके पर जुटी भीड़ ने तुरंत दौड़कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और डंपर चालक को दबोचकर पुलिस को सौंपा। फोटो-दिनेश भारद्वाज

■ पुलिस जांच में सामने आया है कि घटनास्थल से डेढ़ कि.मी. पहले डंपर चालक की किसी कार सवार से कहासुनी हुई थी, उसके बाद से वह डंपर को 100 कि.मी. प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ाता हुआ भाग रहा था।

प्रोबेशनल आईपीएस उषा शर्मा ने बताया कि यह डंपर कहां से आया था और कहां जा रहा था, इसका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। इस हादसे की भयावहता देखकर लोग कांप गए। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जहां घायलों को हाथों-हाथ ग्रीन सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जहां घायलों को हाथों-हाथ ग्रीन

हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। हरमाड़ा थाने के हैड कांस्टेबल रविंद्र ने बताया कि पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले एक पेट्रोल पंप के बाहर डंपर चालक राजेश मीणा (35) निवासी चौमूं की, एक कार सवार से कहासुनी हुई थी। इसके बाद नशे में ड्राइवर डंपर को भगाकर ले गया था। राॅनग साइड में डंपर दौड़ाते हुए उसने बाइक को टक्कर मारी। तभी कुछ लड़के उसके पीछे लग गए।

चालक ओवर स्पीड में डंपर भगाने लगा और गाड़ियों को टक्कर मारते हुए अजमेर-दिल्ली हाईवे के लोहा मंडी कट के पास ट्रेलर से टकराकर रुक गया। हादसे के दौरान कई लोगों के कपड़े तक फट गए थे। ऐसे में आस-पास के लोगों ने सभी शवों को एक तरफ किया। इसके बाद जिन लोगों के कपड़े तक फट गए थे। उनके शरीर को उनके पास रखे कपड़े और गमछों से ढका। पुलिस का कहना है कि हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें डंपर चालक 100 कि.मी. प्रति घंटे से अधिक की स्पीड में था है। शराब के नशे में मिले डंपर चालक को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया था और उसकी जमकर पिटाई कर दी, पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया है, अब



हादसे के बाद मृतकों व घायलों के परिजनों की रूलाई फूट पड़ी, जिन्हें अन्य परिवारजन सांत्वना दिलाते रहे।

खनिज प्रधान राज्यों की अनुमतियां जल्द लेने की कवायद पर मंथन

उड़ीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्यप्रदेश से अनुमति प्राप्ति में लगने वाले समय व इस प्रक्रिया के सरलीकरण पर अध्ययन कर रहा खनन विभाग

जयपुर । देश के खनिज प्रधान प्रमुख प्रदेशों की नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाया जाएगा। प्रमुख सचिव माईस टी. रविकान्त ने यह जानकारी सोमवार को सिलवाय में निदेशक माईस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खनिज प्रधान प्रमुख प्रदेश उड़ीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्यप्रदेश आदि में अनुमतियां प्राप्ति में लगने वाले समय और आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की व्यावहारिक प्रक्रिया का अध्ययन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राप्त अध्ययन रिपोर्ट का विश्लेषण कर व्यावहारिक प्रक्रिया को अपनाया जायेगा।



खनन विभाग के प्रमुख सचिव माईस टी. रविकान्त ने सोमवार को सचिवालय में निदेशक माईस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

शर्मा द्वारा नीलाम खानों को तय समय सीमा में आवश्यक अनुमतियां उपलब्ध कराकर परिचालन में लाने पर जोर दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा भी इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से खान विभाग नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए समग्र व समन्वित प्रयास कर रहा है उसी तरह से एलओआई धारकों और संबंधित विभागों व संस्थाओं को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि यह निवेश, रोजगार और रेवेन्यू से जुड़ा है और प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास के भागीदारी का प्रयास है। निदेशक माईस महावीर प्रसाद

मीणा ने बताया कि विभाग स्तर से संबंधित विभागों और एलओआई धारकों से समन्वय बनाया जा रहा है और नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए अनुमतियां दिलाने के लिए तकनीकी सहयोग व मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल शर्मा, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, प्रभारी फेसिलिटेशन सेल प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूविज्ञानी एरियल सर्वे सुनील वर्मा और डेलाइट के प्रतिनिधियों ने आवश्यक सुझाव दिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बांटी उपाधियां

पतंजलि विवि. का हर विद्यार्थी ‘जॉब सीकर’ नहीं बल्कि ‘जॉब क्रिएटर’ है : स्वामी रामदेव

हरिद्वार । पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक एवं शोधार्थियों को उपाधियों और स्वर्ण पदक प्रदान किए। राष्ट्रपति से पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में साध्वी देवपूजा, देवेन्द्र सिंह (स्वामी इन्द्रदेव), मानसी (साध्वी देववाणी), अजय कुमार (स्वामी आर्षदेव), रीता कुमारी (साध्वी देववृंदा), शालू भदौरिया (साध्वी देवशाली), अंशिका, प्रीति पाटक, पूर्वा तथा मैत्रेई रहे।



पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने किया।

महान प्रयास है। विशिष्ट अतिथि एवं उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने कहा कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के क्षेत्र में पतंजलि ने जो कार्य किया है, वह महर्षि पतंजलि की परंपरा को आगे बढ़ाने का

क्रांति ला दी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को लागू कर उत्तराखंड पर आधारित है।

■ पतंजलि विश्वविद्यालय को विश्व के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लेकर जायेंगे : आचार्य बालकृष्ण

को शोध, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि सर्वश्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण के इस संकल्प में पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगरूढ़ि स्वामी रामदेव ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन से पूरा पतंजलि परिवार गौरवान्वित है। पतंजलि विश्वविद्यालय का हर विद्यार्थी ‘जॉब सीकर’ नहीं बल्कि ‘जॉब क्रिएटर’ है। यहां शिक्षा का आधार किसी जाति या धर्म पर नहीं बल्कि सनातन सिद्धांतों पर आधारित है।

कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह नीति शिक्षा को रोजगारपरक, बहुविषयक और मूल्य-आधारित बनाने का लक्ष्य रखती है।

उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से 3.48 ग्रेड पॉइंट के साथ ग्रेड प्राप्त किया है, जो इस संस्थान की उच्च गुणवत्ता का प्रमाण है। राज्यपाल गुर्मीत सिंह द्वारा फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन और मेडिसिनल प्लांट ऑफ राष्ट्रपति भवन पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिनकी प्रथम प्रतिलिपि राष्ट्रपति को भेंट की गई। दीक्षांत समारोह में कुल 1424 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें 54 स्वर्ण पदक विजेता, 62 शोधार्थी (पीएच.डी.), 3 डीलिट उपाधिधारी, 744 स्नातक और 615 परास्नातक विद्यार्थी शामिल रहे।

कोरियाई दल ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी



कोरिया एम्पलायमेन्ट एजेन्सी फॉर पर्सनस विथ डिसेबिलिटी के एक दल ने जयपुर जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

जयपुर। कोरिया के विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराकर उनका पुनर्वास करने वाली संस्था कोरिया एम्पलायमेन्ट एजेन्सी फॉर पर्सनस विथ डिसेबिलिटी (के.ई.ए.डी.) के एक दल ने विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

के.ई.ए.डी की जयपुर यात्रा का उद्देश्य विश्व की विकलांगों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों का अध्ययन करना और किस बी.एम.वी.एस.एस प्रकार विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाता है

इसको जानकारी लेना था। के.ई.ए.डी के अध्यक्ष जॉंग सियोंग ली के नेतृत्व में आए पांच सदस्यों दल का बी.एम.वी.एस.एस को संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता और सचिव (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने स्वागत किया और दल को जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी दी। दल को यह जानकारी प्रसन्न हुए कि बी.एम.वी.एस.एस विकलांगों को अपने समिति साधनों के बावजूद ट्राइसर्किल, न्हीलचेयर, बैशशिखी, श्रवण यंत्र आदि के अलावा रोजगार के लिए चाय का स्टाल लगाने के लिए बर्तन आदि उपलब्ध कराता है। दल को बताया कि ट्रायसर्किल पर विकलांग फेरी लगाकर सब्जी आदि बेचकर आमदानी कैंस करते हैं। यह सभी सामान विकलांगों को निरुश्लक उपलब्ध कराए जाते हैं। दल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त कि बी.एम.वी.एस.एस के साथ सहयोग कर विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग देगा। इस दल के के.ई.ए.डी के प्रमुख पदाधिकारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी आमजन की समस्याएं



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवेदी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ीह उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो। सिकरय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं

■ सीएम ने निर्देश दिए कि, अधिकारी, लोगों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से निस्तारित करें

बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मरणा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।